आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

दैनिक समाचार–पत्र

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक: -प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2502 • उदयपुर, रविवार 31 अक्टूबर, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

दिव्यांग विवाह एक अद्भुत आयोजन

जीवनभर के लिए रिश्तों की डोर बंधी तो मन बार–बार हर्षित हुआ। यादगार लम्हों का साक्षी बना अपनों का दुलार। जिसने जीवन के हर दर्द को भुला दिया। उमंगों से परिपूर्ण दिव्य वातावरण में दिव्यांगता और गरीबी का दंश पीछे छूट अतीत में खो गया और नए जीवनसाथी के साथ जीवन की नई राहों में दस्तक दी। यह मंजर शनिवार को नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा में नजर आया। अवसर था संस्थान के 36वें दिव्यांग व निर्धन निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह का। जिसमें 21 जोड़ों ने पवित्र अग्नि के सात फेरे लेकर आजन्म एक–दूसरे का साथ निभाने का वचन लिया। विवाह समारोह के माध्यम से समाज को 'वैक्सीन–मास्क जरूरी' का सन्देश भी दिया गया। कोरोना महामारी के चलते आयोजन सम्बन्धी कार्यक्रम स्थल पर मास्क, सोशल डिस्टेंसिग और स्वच्छता सम्बन्धी सभी मानकों का पालन किया गया। प्रत्येक जोड़े के वैक्सीन पहले ही लग चुकी थी।

संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' व सहसंस्थापिका कमला देवी जी अग्रवाल के आशीर्वचन एवं संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल व निदेशक वंदना जी अग्रवाल द्वारा प्रथम पूज्य गणपति आह्वान के साथ विवाह समारोह शुभ मुहूर्त में प्रातः 10 बजे आरम्भ हुआ। दूल्हों ने तोरण की रस्म अदा की। सजे–धजे जोड़ों को मंच पर दो–दो गज की दूरी पर बिठाया गया। जहां वरमाला की रस्म अदा हुई। माता–पिता एवं अतिथियों ने आशीर्वाद प्रदान किया।

इससे पूर्व जोड़ों के मेहन्दी की रस्म वंदना जी अग्रवाल व पलक जी अग्रवाल के निर्देशन में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि इस विवाह समारोह के माध्यम से संस्थान पिछले 20 वर्षों से 'दहेज को कहें ना' अभियान की सार्थक अभिव्यक्ति भी कर रहा है। संस्थान के इस प्रयास को समाज ने सराहा है। संस्थान के सामूहिक विवाहों में इससे पूर्व 2109 जोड़े विवाह सूत्र में बंधकर खुशहाल और समृद्ध जीवन जी रहे हैं। इनमें से अधिकांश वे हैं, जिनकी दिव्यांगता सुधार सर्जरी संस्थान में ही निःशुल्क हुई और आत्मनिर्भरता की दृष्टि से संस्थान में ही इन्होंने निःशुल्क रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्राप्त किए। संस्थान दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग निःशुल्क लगाने एवं उनकी शिक्षा व प्रतिभा विकास के लिए डिजिटल शिक्षा व स्किल डवलपमेंट की कक्षाएं भी निःशुल्क चला रहा है ताकि दिव्यांग सशक्त एवं स्वावलम्बी बन सकें। अग्रवाल जी ने निर्माणाधीन 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमिनिटी' परिसर एवं अगले पांच वर्षों के विजन डॉक्यूमेंट की भी जानकारी दी। विवाह समारोह में 6 राज्यों छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश व बिहार के जोड़े शामिल थे। समारोह का संचालन महिम जी जैन ने किया।

21 वेदियां : आचार्यों ने 21 अलग–अलग वेदियों पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी 21 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न करवाया। इस दौरान उनके माता–पिता भी मौजूद थे।

ऐसे भी जोड़े : विवाह समारोह में ऐसे भी जोड़े थे जो दोनों ही दिव्यांग थे अथवा उनमें से कोई एक दिव्यांग तो दूसरा सकलांग था। विवाह से पूर्व इन्होंने परस्पर मिलकर एक–दूसरे के साथ जीवन बिताने का निश्चय किया।

उपहार : प्रत्येक जोड़े को संस्थान की ओर से गृहस्थी के लिए आवश्यक सामान के रूप में बर्तन, सिलाई मशीन, बिस्तर, पलंग, गैस चूल्हा, घड़ी, पंखा आदि के साथ दूल्हन को मंगलसूत्र, चांदी की पायल, बिछिया, अंगूठी, साड़ियां, प्रसाधन सामग्री व दूल्हे को पेंट शर्ट, सूट आदि प्रदान किए गए। अतिथियों व धर्म माता–पिताओं ने भी उन्हें उपहार प्रदान किए।

विदाई की वेला : सामूहिक विवाह सम्पन्न होने के बाद विदाई की वेला के क्षण काफी भावुक थे। बाहर से आए अतिथियों व धर्म माता–पिताओं की आंखें छलछला उठी। उन्होंने तथा ट्रस्टी निदेशक जगदीश जी आर्य व देवेन्द्र जी चौबीसा ने जोड़ों को खुशहाल जिंदगी बिताने और आंगन में जल्दी ही किलकारी का आशीर्वाद दिया। संस्थान के वाहनों द्वारा उन्हें उपहारों व गृहस्थी के सामान के साथ उनके शहर–गांव के लिए विदा किया गया।

दिव्यांग को समान व्यवहार की अपेक्षा

'जीवन में अनेक मुकाम ऐसे आते हैं, जब व्यक्ति के सम्मुख कोई न कोई कठिनाई आती है और वह यदि अपने विवेक से उसे हल कर लेता है तो वह उसके लिए एक सबक की तरह सफलता के नए द्वार खोल देता है।' यह कहना है उदयपुर के आदिवासी बहुल क्षेत्र के रोशनलाल का। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित 36वें दिव्यांग एवं निर्धन युवक–युवती निःशुल्क विवाह समारोह में रोशनलाल भी उन 21 युवकों में शामिल थे, जो विवाह सूत्र में बंधे। रोशनलाल का कहना था कि नारायण सेवा संस्थान ने मेरी तरह अनगिनत दिव्यांगों के जीवन को सार्थक दिशा प्रदान की है। मैं संस्थान की मदद से ही रीट परीक्षा की तैयारी कर रहा हूं। इस परीक्षा की तैयारी से सम्बन्धित कक्षाओं का निःशुल्क प्रबन्ध एवं कौशल प्रशिक्षण संस्थान ने ही संभव बनाया। मुझे पूरा यकीन है कि मैं एक सफल शिक्षक के रूप में समाज की सेवा में अपनी सार्थक भूमिका सुनिश्चित करूंगा।

मध्यप्रदेश निवासी 24 वर्षीय दिव्यांग संत कुमारी ने भी सामूहिक विवाह समारोह में गुजरात के मनोज कुमार के साथ पवित्र अग्नि के सात फेरे लिए, जो स्वयं भी दिव्यांग है। संत कुमारी का कहना था कि 'हर दिव्यांग यही चाहता है कि समाज उसके साथ समान और न्यायपूर्ण व्यवहार करे। संस्थान ने उसे कम्प्यूटर प्रशिक्षण देकर इस योग्य बना दिया है कि वह स्वयं अपना स्टार्टअप कर सकती है। दोनो पति–पत्नी एक दूसरे का सहारा बनकर जीवन को मधुरता के साथ व्यतीत करेंगे।

प्रतापगढ़ (राजकृ) के जन्मजात प्रज्ञाचक्षु नाथुराम मीणा दिव्यांग कंचन देवी के साथ विवाह सूत्र में बंधे। कंचन ने साथ फेरे लेने के बाद कहा कि 'मैं उनकी आंखें बनूंगी और वो मेरे बढ़ते कदम'।

भक्ति में भाव सर्वोपरि

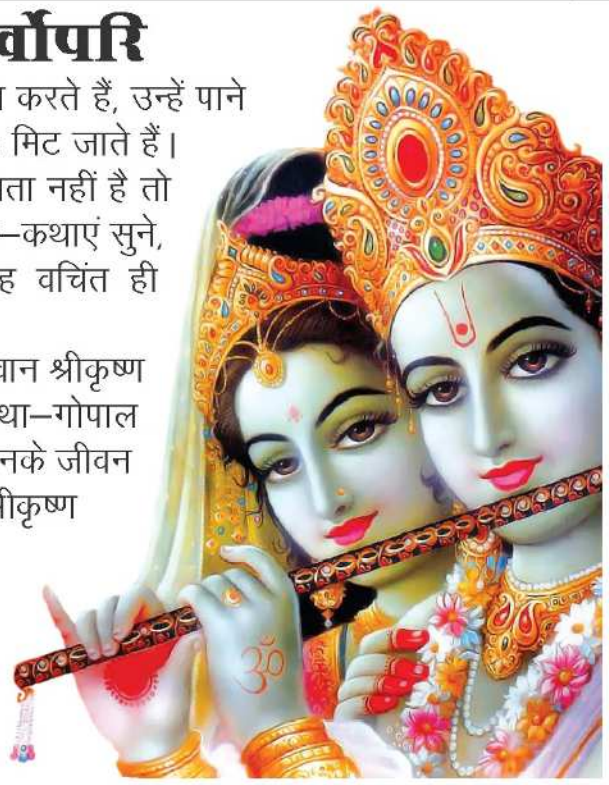

भगवान हमेशा भाव को ग्रहण करते हैं, उन्हें पाने की इच्छा मात्र से ही विकार स्वतः मिट जाते हैं। यदि मनुष्य में उनके प्रति व्याकुलता नहीं है तो चाहे कितनी ही बार उनकी लीला–कथाएं सुने, लेकिन भगवान की कृपा से वह वंचित ही रहेगा।

पंडित जी किसी गांव में भगवान श्रीकृष्ण की कथा सुना रहे थे। प्रसंग था–गोपाल श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं और उनके जीवन आदर्श। इस प्रसंग में उन्होंने श्रीकृष्ण का बहुत सुन्दर भावचित्र प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने अनेक विलक्षण आभूषणों की भी चर्चा की। कथा सुन रहे असंख्य श्रोताओं में एक डाकू भी था। कथा समापन के बाद पंडित जी अपनी पोथी ओर भक्तों द्वारा आई भेंट को एक गठरी में बांधा और अपने गांव की और पड़े। डाकू भी उनके पीछे हो लिया। कुछ दूर जाने पर डाकू ने पंडित जी को रूकने के लिए कहा, वे रूक गए। उसने पडित जी कहा, 'मैं चोर–डाकू हूं। आपने कथा में जिस गोपाल और उसके आभूषणों का वर्णन किया है, क्या आप उसे जानते है ? 'यदि जानते है तो बताइए, अन्यथा मैं आपका सामान लूट लूंगा।' पंडित जी ने कहा, 'मैं उनका पता जरूर बताउंगा, लेकिन इससे पहले यह गठरी मेरे घर तक ले चलों।' पंडित जी ने कथा की पोथी और भेंट सामग्री की गठरी उसके सर पर दी।

पंडित जी ने घर पहुंचने के बाद उससे कहा कि गोपाल मथुरा और वृदांवन में रहते है। वहीं जाकर तुम्हें उन्हें खोजना होगा। डाकू मथुरा–वृदावन के लिए रवाना हुआ। उसने वहां गोपाल को खोजा लेकिन वह नहीं मिला। भूखे–प्यासे रहकर भी उसने खोज जारी रखी।

एक दिन उसे एक सुंदर नन्हा सा बालक कुछ गायों को चराता हुआ दिखा। उसकी मनमोहक छवि पर डाकू इतना मोहित हो गया कि वह उसे एक टक उसे देखता रहा। यही बालक श्रीकृष्ण थे, जिन्होंने अपने प्रति डाकू के भाव देखकर उसे दर्शन दिए। वह उस बालक से बोला, 'मैं इस छवि को हमेशा देखना चाहता हूं। बालक ने कहा, 'जैसी तुम्हारी इच्छा।' उस दिन के बाद यकायक डाकू का हृदय परिवर्तन हो गया और वह कृष्णभक्त बन गया मृत्युपरांत परमधाम को प्राप्त हुआ।

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe paytm
narayanseva@sbi

Head Office: 483, Sevadham, Sevanagar, Hiran Magari, Sector-4, Udaipur(Raj.) 313002, INDIA
+91 294 662 2222 | +91 7023509999
www.narayanseva.org | info@narayanseva.org

अच्छी सोच, सार्थक जीवन

छोटी–सी अच्छी आदत हमारी सोच इस तरह से बदल सकती है कि जीवन बन जाता है। जरूरत इस बात की है कि इस दिशा में बढ़ने का प्रयत्न करें।

दो मित्र थे। बचपन में दोनों पढ़े–खेले। शिक्षा पूरी होने के बाद दोनों ही अपने–अपने शहरों में जाकर अपने–अपने कार्यो में व्यस्त हो गए। एक मित्र ने खूब मेहनत कर पैसा कमाया ओर प्रतिष्ठा भी। जबकि दूसरा आलसी होने की वजह से कुछ भी विशेष नहीं कर पाया। जीवन गरीबी में जैसे–तैसे कट रहा था। एक दिन अमीर मित्र बचपन में इस मित्र से मिलने उसके घर पहुंचा। उसने देखा कि मित्र की स्थिति दयनीय है। घर भी बहुत गंदा है। उसने अपने घर आए मित्र को बैठने के लिए कुर्सी दी उस पर भी धूल जमी थी। अमीर मित्र ने उससे कहा, 'तुम जिस घर में रहते हो, उसे इतना गंदा क्यों रखते हो?' गरीब मित्र ने जवाब दिया–'सफाई रखने से कोई लाभ नहीं है, कुछ दिनों में ये फिर से गंदा हो जाएगा।' अमीर मित्र ने उसे समझाया कि घर को साफ रखने से दरिद्रता खत्म होती है। लेकिन मित्र की राय को अनसुना कर दिया। जाते वक्त मित्र अपने इस मित्र को उपहार में एक खुबसूरत गुलदस्ता दे गया। अब उसके घर कोई भी आता तो वह कहता कि गुलदस्ता तो सुंदर है लेकिन जिस अलमारी पर रखा है वह काफी गंदी है। एक दिन उसने अलमारी को साफ कर दिया। इसके बाद उसके घर आने वाले कहते 'गुलदस्ता तो सुंदर है, और अलमारी भी, किन्तु दिवार बड़ी गंदी है।' यह सुन उसने दिनभर मेहनत कर दीवार की पुताई कर दी। अब उसके घर आने वाले कहते 'सबकुछ सुंदर है, लेकिन फर्श बड़ा गंदा है।' तब उसने एक दिन गुस्से में आकर पूरे घर की सफाई भी की। घर चमचमा उठा। उसे स्वयं घर बहुत सुंदर लगने लगा। तब उसे समझ में आया कि यह सब उसके परिश्रम की वजह से हुआ। उसने आलस्य त्याग दिया और काम करने लगा। कुछ ही दिनों में वह एक सुशील और सम्पन्न व्यक्ति कहलाने लगा। परिरम और सकारात्मक सोच से बड़ी से बड़ी समस्याएं हल की जा सकती हैं और जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है।

सम्पादकीय

आजकल परस्पर संबंधों में उत्साह व उमंग नहीं के बराबर दिखाई देती है। हर व्यक्ति न जाने क्यों उदासीनता ओढ़े हुए नजर आता है। एक दूसरे से मिलने, अपनी समस्याओं को साझा करने का प्रचलन क्षीण होता जा रहा हैं इसके पीछे कई सारे कारण हैं, पर मुख्यतः मूर्च्छित होती संवेदनायें ही हैं। जो रिश्ते कभी जान से ज्यादा प्यारे थे उनमें भी दिखावटीपन छाने लगा है। पहले भी मतभेद होते थे किन्तु उनकी सीमा थी, वे व्यापक होकर मनभेद नहीं बन जाते थे। आज मतभेद सीधे–सीधे मनभेद ही बने हुए हैं। आज कोई भी व्यक्ति रिश्तों के प्रेम से रिसता हुआ दिखाई देता है। क्योंकि उसमें स्नेह का निर्झर सूखने लगा है। आजकल स्नेह, प्यार, रिश्ता, नाता, परस्पर मिलन का आधार शुद्ध रूप से स्वार्थ पर टिका होने लगा है। स्वार्थसिद्धि ही संबंधों का आधार होने लगा है। आज फिर निःस्वार्थ प्रेम की सरिता बहाने की आवश्यकता है। संबंधों के पुनर्मूल्यांकन की जरूरत है। हमें जागृत होकर सोचना ही होगा।

कुछ काव्यमय

सरद हुए सम्बन्ध सब,
गई उष्णता खोय।
फिर चेताना है इसे,
मैल मनों का धोय।।
सम्बन्धों का शिथिलपन,
छाया चारों ओर।
बार-बार क्यों टूटती,
रिश्तों की ये डोर।
पहले भी मौजूद था,
पीढ़ी वाला भेद।
रिश्ते नातों में नहीं,
हो पाता था छेद।।
दिखावटी रिश्ते नहीं,
चले कदम दो-चार।
वे जीवन भर यों लगे,
जैसे सिर पे भार।।
सम्बन्धों की बेल को,
फिर से देओ सींच।
भाव दिखावे के तुरंत,
रख दें बाहर खींच।।

- वरदीचन्द राव

निराश जिंदगी में उम्मीद की दस्तक

कृत्रिम अंग पाकर सक्रिय हुई बाधित दिनचर्या, घटनाओं–दुर्घटनाओं में इन्होंने खो दिए थे हाथ–पैर, हादसों में हाथ–पैर खोने वाले लोगों को संस्थान द्वारा में देश के विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क शिविर आयोजित कर कृत्रिम हाथ–पैर लगाए गए। इससे पूर्व इनके कृत्रिम अंग बनाने के लिए मैजरमेंट शिविर लगाए गए थे। जिनमें दिव्यांगों की जांच कर ऑपरेशन योग्य दिव्यांगों का चयन भी किया गया।

सागर (मकृप्रकृ)

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज परिसर में को क्षेत्रीय विधायक माननीय श्री शैलेन्द्र जी जैन के सौजन्य से कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 41 दिव्यांग लाभान्वित हुए। शिविर के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद माननीय श्री राजबहादुर सिंह जी एवं शिविर सौजन्यकर्ता श्री शैलेन्द्र जी जैन थे। अध्यक्षता जिला कलेक्टर श्री दीपक जी आर्य ने की। विशिष्ट अतिथि नगर निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश जी अहिरवार, मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉकृ आर. एस. वर्मा तथा अरूण सर्राफ थे। अतिथियों ने 24 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ–पैर तथा 17 को कैलिपर वितरित किए। शिविर में टेक्नीशियन श्री नाथूसिंह व शिविर प्रभारी श्री हरिप्रसाद जी लढ्ढा व श्री नरेन्द्र सिंह झाला ने अतिथियों का स्वागत किया।

बागोदरा (गुजरात)

मंगल मंदिर मानव सेवा परिवार एवं संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बागोदरा (गुजरात) में कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 93 दिव्यांगों का पंजीकरण हुआ। जिनमें से 41 के लिए कृत्रिम अंग तथा 8 के कैलिपर बनाने के लिए टेक्निशियन श्री नाथूसिंह व श्री उत्तम चंद्र जी ने माप लिया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह सुदासमा थे। अध्यक्षता बावला के पूर्व विधायक श्री कांतिभाई निकुम ने की। विशिष्ट अतिथि अहमदाबाद के उप जिला प्रमुख श्री रमेश भाई मकवाना, मंगल मंदिर परिवार के प्रमुख श्री दिनेश भाई एम लाठिया, समाजसेवी सर्वश्री प्रभात बाबू भाई मकवाना, रमेश भाई ठुमार, विक्रम भाई मंडोरा, भरत भाई सोलंकी तथा शाखा प्रेरक श्री राघवेन्द्र प्रतापसिंह थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लढ्ढा व नरेन्द्र प्रतापसिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। व्यवस्था में फिजियोथैरेपिस्ट रक्षिता जी वघासीया व प्रकाश जी डामोर ने सहयोग किया।

अबोहर (पंजाब)

श्री बालाजी समाज सेवा संघ के सहयोग से अबोहर (पंजाब) में विशाल दिव्यांग जांच एवं ऑपरेशन चयन शिविर आयोजित किया गया। जिसमें कुल 210 दिव्यांगों ने पंजीयन करवाया। जिनमें से ऑपरेशन योग्य 39 दिव्यांगों का डॉकृ एसकृ एल. गुप्ता ने चयन किया। शेष लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक सहायक उपकरण दिए गए। मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री राजेन्द्र जी पाल थे। अध्यक्षता बालाजी समाजसेवा संघ के चेयरमैन श्री गगन जी मल्होत्रा ने की। विशिष्ट अतिथि श्री अमित भाई थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री मुकेश जी शर्मा ने किया।

लखनऊ (उ.प्र.)

नेहरू युवा केन्द्र, लखनऊ में संस्थान के तत्वावधान में कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसमें टैनीशियन श्री नाथूसिंह ने 5 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ–पैर जबकि 20 के कैलिपर्स लगाए। संस्थान के स्थानीय आश्रम प्रभारी श्री ब्रदीलाल शर्मा ने बताया कि शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री वी.के.सिंह ने किया। अध्यक्षता श्रीमती प्रतिभा जी श्रीवास्तव ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री नवीन कुमार जी, लक्ष्मण प्रसाद जी, सुभाष चन्द्र जी एवं दिलीप कुमार जी थे। अतिथियों का स्वागत शिविर प्रभारी श्री हरिप्रसाद लढ्ढा एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री बृजपाल सिंह ने किया।

हैदराबाद (तेलंगाना)

टूरिष्ट प्लाजा–कांचीगुड़ा, हैदराबाद (तेलंगाना) में जेसीआई के सहयोग से कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 25 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग तथा 2 को कैलिपर्स प्रदान किए गए। इस दौरान उपस्थित अन्य दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने के लिए टेक्निशियन श्री भंवर सिंह द्वारा नाप लिया गया। मुख्य अतिथि जेसीआई बंजारा के अध्यक्ष श्री गोविंद जी कंकाणी थे। अध्यक्षता समन्वयक डॉ. मोहित जैन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जेसीआई के सदस्य सर्वश्री महेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत तथा साधक श्री लालसिंह भाटी ने संचालन किया। धन्यवाद ज्ञापन फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. के. अरूण ने किया।

खाजुवाला (राजस्थान)

खाजूवाला (बीकानेर) की जाट धर्मशाला में सम्पन्न निःशुल्क विशाल दिव्यांग जांच

कृत्रिम अंग माप तथा ऑपरेशन चयन शिविर में 37 दिव्यांगों का पोलियों सुधार सर्जरी के लिए चयन किया गया। जबकि 25 के कैलिपर और 20 के लिए कृत्रिम अंग(हाथ–पैर) बनाने का माप लिया गया। टेक्नीशियन श्री भंवरसिंह ने लिया। विश्व हिंदू परिषद की बीकानेर शाखा के सहयोग से आयोजित कैम्प के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री भोजराज लेखाना थे। अध्ययक्षता श्री भागीरथ जी ज्याबी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री चेतराम जी, रामधन जी बिश्नोई,फूलदास स्वामी, संस्थान शाखा के संयोजक राजाराम जी जाखड़, राजकुमार जी ढोलिया, श्यामलाल जी जांगिड़, अजय कुमार जी तथा श्रीमती मधु जी शर्मा मंचासीन थे। शिविर प्रभारी श्री मुकेश जी शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी।

गरीबों के घर पहुंचा राशन

देश के विभिन्न शहरों में गरीब और बेरोजगार परिवारों तक प्रतिमाह राशन पहुंचाने का क्रम जुलाई–अगस्त माह में भी जारी रहा। नारायण गरीब परिवार राशन योजना कोविड–19 की पहली लहर में ही 50 हजार गरीबों तक राशन पहुंचाने के लक्ष्य के साथ संस्थान ने शुरू की थी। इस योजना में अब तक 35 हजार से अधिक परिवारों को प्रतिमाह राशन पहुंचाया गया है।

पोपल्टी– संस्थान ने उदयपुर जिले की गिर्वा तहसील की आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत पोपल्टी में राशन वितरण शिविर आयोजित किया। जिसमें पोपल्टी और आसपास के बेरोजगार आदिवासियों को 100 मासिक राशन किट, 150 साड़ियां और 200 बच्चों को बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। जिलें में जुलाई माह में 1850 राशन किट बांटे गए तथा 5000 से ज्यादा जरूरतमंदों को मदद पहुंचाई गई। शिविर में संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल एवं सुश्री पलक जी अग्रवाल सहित 10 सदस्यीय टीम ने सेवाएं दी।

कैथल– हरियाणा के कैथल शहर में जुलाई को सम्पन्न नारायण गरीब परिवार राशन शिविर में 38 परिवारों को एक माह का राशन वितरित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री विकास जी शर्मा थे। अध्यक्षता श्री सतपाल जी गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री रामकरण जी, श्री मदनलाल जी मित्तल थे। संस्थान की स्थानीय शाखा के संयोजक श्री सतपाल जी मंगला ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में स्थानीय शाखा के सदस्य श्री दुर्गा प्रसाद जी, श्री सोनू जी बंसल व श्री जितेन्द्र जी बंसल भी उपस्थित थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री लाल सिंह जी भाटी व श्री रामसिंह जी ने किया।

खेतड़ी– झुंझुनू (राजस्थान) जिले के खेतड़ी शहर में 16 चयनित परिवारों को मासिक राशन किट प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि उप पुलिस अधीक्षक श्री विजयकुमार जी व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री ओमप्रकाश जी, श्री कपिल जी व श्री पवन जी कटारिया थे। अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री गोकुलचन्द्र जी ने की। शिविर प्रभारी मुकेश जी शर्मा ने कोरोनाकाल में संस्थान की विविध सेवाओं की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया।

भुवनेश्वर– द ओडिशा फॉर ब्लाईंड एवं संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में निर्धन एवं बेरोजगार चयनित 100 परिवारों को राशन किट का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि द ओडिसा ऐसोसिएशन फॉर ब्लाईंड के सचिव श्री शरद कुमार दास थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शेख समद कडापार, श्री कपिल साई और रश्मी रंजन साहू मंचासीन थे।

शिविर प्रभारी लाल सिहं जी भाटी के अनुसार शिविर में अतिथियों ने कोरोनाकाल में संस्थान की ओर से की जा रही सेवाओं की मुक्तकंठ से सराहना की।

चेगलपट्टू– तमिलनाडू के चेगलपट्टू में 76 गरीब व बेरोजगार परिवारों को राशन किट दिए गए। शिविर प्रभारी लाल सिंह जी भाटी के अनुसार एस. आर. एम. के चेयरमैन श्री सत्यसाई जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे, जबकि विशिष्ट अतिथि जी. वी. एस. के निदेशक श्री एम. जी. साहब, सचिव श्रीमती विमला जी व ट्रस्टी श्री व्यंकटेश जी थे। अध्यक्षता पुलिस निरीक्षक श्री सरवनराम जी ने की।

रतलाम– मध्यप्रदेश के रतलाम शहर में स्व. श्रीमती विमला मुखिजा की पावन स्मृति में श्री एन. डी. मुखिजा के सहयोग से नारायण गरीब राशन योजना शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 24 परिवारों को 1 माह का राशन वितरित किया गया। मुख्य अतिथि श्री कांतिलाला जी छाजेड़ थे।

अध्यक्षता ठाकुर मंगलसिंह जी ने की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री गौरीशंकर शर्मा, श्याम बिहारी जी भारद्वाज, वीरेन्द्र जी शक्तावत, बलराम जी त्रिवेदी, राजू भाई अग्रवाल, मोहनलाल जी व निरंजन कुमावत बिराजित थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री मुकेश जी शर्मा ने किया।

भारतीपुरम– संस्थान की गरीब परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण योजना के तहत भारतीपुरम (तमिलनाडू) में 110 परिवारों को आयोजित शिविर में राशन किट वितरित किए गए। शिविर प्रभारी लालसिंह जी भाटी ने बताया कि मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मरगधाम एवं विशिष्ट अतिथि श्री वेंकेश थे। अध्यक्षता समाजसेवी श्री युवराज जी ने की। जिन लोगों को राशन वितरण किया गया, उनमें कुष्ठ रोगी भी थे।

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : ई, डी-71 बप्पा रावल नगर, हि.म. सेक्टर-6, उदयपुर
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353, • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023